INJECTION
ROOM
Red
Blue
NCC

सच कहूँ

नागरिक अस्पताल में आपातकालीन सेवाओं के लिए सहायता केन्द्र स्थापित

- एनसीसी कैडेट्स की लगी ड्यूटियां
- डिप्टी एमएस डॉ. राजेश भोला ने दी फर्स्ट एड की जानकारी

जींद (सच कहूँ न्यूज)।

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में राजकीय महाविद्यालय के द्वारा उच्चतर शिक्षा विभाग एवं 15 हरियाणा बटालियन जींद के निर्देशानुसार मरीजों की देखभाल एवं आपातकालीन सेवाओं के लिए सहायता केंद्र स्थापित किया गया है। इसके तहत एनसीसी कैडेट्स की अस्पताल के भिन्न-भिन्न विभागों में ड्यूटी लगाई गई है। सेवा शुभारंभ डिप्टी एमएस डॉ. राजेश भोला ने एनसीसी कैडेट्स को फर्स्ट एड शिक्षा का पाठ पढ़ाया और कहा कि जब किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को डॉक्टर या अस्पताल पहुंचाने तक उसकी जान बचाने के लिए सहायता या सेवा की जाती है, उसे प्राथमिक चिकित्सा या फर्स्ट ऐड कहते हैं। उस व्यक्ति की जान बचाने के लिए हम आसपास की किसी भी वस्तु का उपयोग कर सकते हैं, जिससे उसे अस्पताल तक ले जाने तक आराम मिल सके। प्राथमिक चिकित्सा करने वाले व्यक्ति को यह जरूर पता होना चाहिए कि इमरजेंसी के समय उसे क्या नहीं करना चाहिए, क्योंकि गलत प्राथमिक चिकित्सा से उस दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की जान जाने का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक चिकित्सा के लिए दुर्घटना या बीमार व्यक्ति के लिए सही प्राथमिक चिकित्सा का प्रयोग करें, किसी को भी डाक्टर या एम्बुलेंस को बुलाने को कहें, यदि पीड़ित व्यक्ति को दुर्घटना से खतरा हो तो उसे बताएं नहीं, पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें, पीड़ित व्यक्ति को हौंसला दें कि वह ठीक हो जाएगा, क्योंकि दुर्घटना व्यक्ति को हौंसला देना चाहिए। अंडर ऑफिसर मुस्कान और अंकुश ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक एनसीसी कैडेट्स को दो घंटे प्रतिदिन के हिसाब से 20 दिन अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड, आइसोलेशन वार्ड, प्रसूति गृह आदि में सेवा का मौका दिया जाएगा। सभी कैडेट्स की ड्यूटी रोटेशन में लगाई जाएगी ताकि समाजसेवा की भावना पनप सके। प्रत्येक कैडेट को 40 घंटे पूरे करने के उपरांत अस्पताल की तरफ से प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। पहले राउंड में एनसीसी कैडेट भारत, राहुल, इंदु, अनीता, अंकुश, पूनम की अस्पताल में ड्यूटी लगाई गई है। कार्यक्रम में पूनम, मुस्कान और अंकुश ने भी कैडेट्स को जनसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने का संदेश दिया।

NCC
CIPROFLOX
NCC

Dr. BHOLA
Dy. MEDICAL SUPERINTENDENT

NCC

NCC
POONAM

जींद, रविवार 20 दिसम्बर, 2020
www.jagatkranti.in

मरीजों की देखभाल एवं आपातकाल सहायता केंद्र स्थापित

- एनसीसी कैडेट्स की अस्पताल के विभागों में ड्यूटी लगाई

जगत क्रांति. जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में राजकीय महाविद्यालय के द्वारा उच्चतर शिक्षा विभाग एवं 15 हरियाणा बटालियन जींद के निर्देशानुसार मरीजों की देखभाल एवं आपातकालीन सेवाओं के लिए सहायता केंद्र स्थापित किया गया है। इसके तहत एनसीसी कैडेट्स की अस्पताल के भिन्न-भिन्न विभागों में ड्यूटी लगाई गई है। सेवा शुभारंभ डिप्टी एमएस डॉ. राजेश भोला ने एनसीसी कैडेट्स को फर्स्ट एड शिक्षा का पाठ पढ़ाया और कहा कि जब किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को डॉक्टर या अस्पताल पहुंचाने तक उसकी जान बचाने के लिए सहायता या सेवा की जाती है उसे प्राथमिक चिकित्सा या फर्स्ट ऐड कहते हैं। उस व्यक्ति की जान बचाने के लिए हम आसपास की किसी भी वस्तु का उपयोग कर सकते हैं, जिससे उसे अस्पताल तक ले जाने तक आराम मिल सके।

प्राथमिक चिकित्सा करने वाले व्यक्ति को यह जरुर पता होना चाहिए इमरजेंसी के समय उसे क्या नहीं करना चाहिए क्योंकि गलत प्राथमिक चिकित्सा से उस दुर्घटना व्यक्ति की जान जाने का खतरा बढ़ सकता है।

उन्होंने बताया कि प्राथमिक चिकित्सा के लिए दुर्घटना या बीमार व्यक्ति के लिए सही प्राथमिक चिकित्सा का प्रयोग करें, किसी को भी डाक्टर या एम्बुलेंस को बुलाने को कहें, यदि पीड़ित व्यक्ति को दुर्घटना से खतरा हो तो उसे बताएं नहीं, पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें, पीड़ित व्यक्ति को हौंसला दें कि वह ठीक हो जाएगा क्योंकि दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति को हौंसला देना चाहिए।

अंडर ऑफिसर मुस्कान और अंकुश ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक एनसीसी कैडेट्स को दो घंटे प्रतिदिन के हिसाब से 20 दिन अस्तपाल के इमरजेंसी वार्ड, आइसोलेशन वार्ड, प्रसुति गृह आदि में सेवा का मौका दिया जाएगा।

सभी कैडेट्स की ड्यूटी रोटेशन में लगाई जाएगी ताकि समाजसेवा की भावना पनप सके। प्रत्येक कैडेट को 40 घंटे पूरे करने के उपरांत अस्पताल की तरफ से प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। पहले राउंड में एनसीसी कैडेट भारत, राहुल, इंदू, अनीता, अंकुश, पूनम की अस्पताल में ड्यूटी लगाई गई है। कार्यक्रम में पूनम, मुस्कान और अंकुश ने भी कैडेट्स को जनसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने का संदेश दिया।

दैनिक भास्कर
जींद भास्कर 20-12-2020

सिविल अस्पताल में एनसीसी कैडेट्स की विभिन्न विभाग में लगाई ड्यूटी

भास्कर न्यूज | जींद

सिविल अस्पताल में राजकीय महाविद्यालय के द्वारा उच्चतर शिक्षा विभाग एवं 15 हरियाणा बटालियन जींद के निर्देशानुसार मरीजों की देखभाल एवं आपातकालीन सेवाओं के लिए सहायता केंद्र स्थापित किया गया है। इसके तहत एनसीसी कैडेट्स की अस्पताल के भिन्न-भिन्न विभागों में ड्यूटी लगाई गई है। सेवा शुभारंभ डिप्टी एमएस डॉ. राजेश भोला ने एनसीसी कैडेट्स को फस्ट एड शिक्षा का पाठ पढ़ाया और कहा कि जब किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को डॉक्टर या अस्पताल पहुंचाने तक उसकी जान बचाने के लिए सहायता या सेवा की जाती है। उसे प्राथमिक चिकित्सा या फस्ट ऐड कहते हैं। उस व्यक्ति की जान बचाने के लिए हम आसपास की किसी भी वस्तु का उपयोग कर सकते हैं। जिससे उसे अस्पताल तक ले जाने तक आराम मिल सके।

जींद. एनसीसी कैडेट्स से बातचीत करते हुए डॉ. राजेश भोला।

प्राथमिक चिकित्सा करने वाले व्यक्ति को यह जरुर पता होना चाहिए इमरजेंसी के समय उसे क्या नहीं करना चाहिए क्योंकि गलत प्राथमिक चिकित्सा से उस दुर्घटना व्यक्ति की जान जाने का खतरा बढ़ सकता है। अंडर ऑफिसर मुस्कार और अंकुश ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक एनसीसी कैडेट्स को दो घंटे प्रतिदिन के हिसाब से 20 दिन अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड, आइसोलेशन वार्ड, प्रसुति गृह आदि में सेवा का मौका दिया जाएगा। सभी कैडेट्स की डयूटी रोटेशन में लगाई जाएगी, ताकि समाजसेवा की भावना पनप सके। प्रत्येक कैडेट को 40 घंटे पूरे करने के उपरांत अस्पताल की तरफ से प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर पहले राउंड में एनसीसी कैडेट भारत, राहुल, इंदू, अनीता, अंकुश, पूनम की अस्पताल में डयूटी लगाई गई है।

एन.सी.सी. कैडेट्स देंगे सिविल अस्पताल में सेवाएं

40 घंटे की ट्रेनिंग के बाद जारी किया जाएगा प्रशंसा पत्र

जींद, 19 दिसम्बर (ललित): सिविल अस्पताल में राजकीय पी.जी. कॉलेज द्वारा उच्चतर शिक्षा विभाग एवं 15वीं हरियाणा बटालियन जींद के निर्देशानुसार मरीजों की देखभाल एवं आपातकालीन सेवाओं के लिए सहायता केंद्र स्थापित किया गया है। इसके तहत एन.सी.सी. कैडेट्स की अस्पताल के भिन्न-भिन्न विभागों में ड्यूटी लगाई गई है। सेवा शुभारंभ डिप्टी एम.एस. डा. राजेश भोला ने एन.सी.सी. कैडेट्स को फर्स्ट एड शिक्षा का पाठ पढ़ाया और कहा कि जब किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को डॉक्टर या अस्पताल पहुंचाने तक उसकी जान बचाने के लिए सहायता या सेवा की जाती है उसे प्राथमिक चिकित्सा या फर्स्ट एड कहते हैं।

सिविल अस्पताल में एन.सी.सी. कैडेट्स को फर्स्ट एड का पाठ पढ़ाते डिप्टी एम.एस. डॉ. राजेश भोला। सुनील

डॉ. भोला ने कहा कि उस व्यक्ति की जान बचाने के लिए हम आसपास की किसी भी वस्तु का उपयोग कर सकते हैं जिससे उसे अस्पताल तक ले जाने तक आराम मिल सके। प्राथमिक चिकित्सा करने वाले व्यक्ति को यह जरूर पता होना चाहिए एमरजैंसी के समय उसे क्या नहीं करना चाहिए, क्योंकि गलत प्राथमिक चिकित्सा से उस दुर्घटना व्यक्ति की जान जाने का खतरा बढ़ सकता है।

उन्होंने बताया कि प्राथमिक चिकित्सा के लिए दुर्घटना या बीमार व्यक्ति के लिए सही प्राथमिक चिकित्सा का प्रयोग करें। किसी को भी डाक्टर या एम्बुलैंस को बुलाने को कहें।

यदि पीड़ित व्यक्ति को दुर्घटना से खतरा हो तो उसे बताएं नहीं, उसे अकेला न छोड़ें, उसे हौसला दें। अंडर ऑफिसर मुस्कान और अंकुश ने बताया कि इस कार्यक्रम तहत प्रत्येक एन.सी.सी. कैडेट्स को 2 घंटे प्रतिदिन के हिसाब से 20 दिन अस्तपाल के एमरजैंसी वार्ड, आइसोलेशन वार्ड, प्रसूति गृह आदि में सेवा का मौका दिया जाएगा। सभी कैडेट्स की ड्यूटी रोटेशन अनुसार लगाई जाएगी ताकि समाजसेवा की भावना पनप सके। प्रत्येक कैडेट को 40 घंटे पूरे करने उपरांत अस्पताल की तरफ से प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। पहले राऊंड में एन.सी.सी. कैडेट्स भारत, राहुल, इंदू, अनीता, अंकुश, पूनम की अस्पताल में ड्यूटी लगाई गई है। कार्यक्रम में पूनम, मुस्कान और अंकुश ने भी कैडेट्स को जनसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने का संदेश दिया।

NCC

हरिभूमि

रोहतक - जीन्द

20 Dec 2020

पहल डिप्टी एमएस ने एनसीसी केडेट्स को प्राथमिक उपचार का पाठ पढ़ाया

प्रतिदिन दो घंटे नागरिक अस्पताल में देंगे सेवाएं

मरीजों एवं आपातकालीन सेवाओं के लिए उपलब्ध होंगे एनसीसी केडेट्स

हरिभूमि न्यूज ▸▸। जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में राजकीय महाविद्यालय के द्वारा उच्चतर शिक्षा विभाग एवं 15 हरियाणा बटालियन जींद के निर्देशानुसार मरीजों की देखभाल एवं आपातकालीन सेवाओं के लिए सहायता केंद्र स्थापित किया गया है। इसके तहत एनसीसी कैडेट्स की अस्पताल के भिन्न-भिन्न विभागों में डयूटी लगाई गई है। सेवा शुभारंभ डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने एनसीसी कैडेट्स को फस्ट एड शिक्षा का पाठ पढ़ाया और कहा कि जब किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को डॉक्टर या अस्पताल पहुंचाने तक उसकी जान बचाने के लिए सहायता या सेवा की जाती है उसे प्राथमिक चिकित्सा या फर्स्ट ऐड कहते हैं। प्राथमिक चिकित्सा करने वाले व्यक्ति को यह जरुर पता होना चाहिए इमरजेंसी के समय उसे क्या नहीं करना चाहिए क्योंकि गलत प्राथमिक चिकित्सा से उस दुर्घटना व्यक्ति की जान जाने का खतरा बढ़ सकता है। प्राथमिक चिकित्सा के लिए दुर्घटना या बीमार व्यक्ति के लिए सही प्राथमिक चिकित्सा का प्रयोग करें, किसी को भी डाक्टर या एम्बुलेंस को बुलाने को कहें, यदि पीड़ित व्यक्ति को दुर्घटना से खतरा हो तो उसे बताएं नहीं, पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें, पीड़ित व्यक्ति को होसला दें कि वह ठीक हो जाएगा।

कैडेट्स को फर्स्ट एड की जानकारी देते हुए डॉ. राजेश। फोटो: हरिभूमि

अस्पताल की ओर से मिलेगा प्रशंसा पत्र

लेफ्टिनेंट पंकज बत्तरा ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक एनसीसी कैडेट्स को दो घंटे प्रतिदिन के हिसाब से 20 दिन अस्तपाल के इमरजेंसी वार्ड, आइसोलेशन वार्ड, प्रसुति गृह आदि में सेवा का मौका दिया जाएगा। सभी कैडेट्स की डयूटी रोटेशन में लगाई जाएगी ताकि समाजसेवा की भावना पनप सके। प्रत्येक कैडेट को 40 घंटे पूरे करने के उपरांत अस्पताल की तरफ से प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। पहले राउंड में एनसीसी कैडेट भारत, राहुल, इंदू, अनीता, अंकुश, पूनम की अस्पताल में डयूटी लगाई गई है। कार्यक्रम में पूनम, मुस्कान और अंकुश ने भी कैडेट्स को जनसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने का संदेश दिया।